



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY
भाग III—खण्ड 4
PART III—Section 4
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 38]
No. 38]

नई दिल्ली, सोमवार, मार्च 31, 2003/चैत्र 10, 1925
NEW DELHI, MONDAY, MARCH 31, 2003/CHAITRA 10, 1925

दि इन्स्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स ऑफ इंडिया

अधिसूचना

नई दिल्ली, 31 मार्च, 2003

(चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स)

सं. 1-सी.ए.(7)/64/2002.—जैसा कि इन्स्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स ऑफ इंडिया की परिषद् द्वारा चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स विनियम 1988 में और संशोधन करने हेतु, चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स अधिनियम, 1949 (1949 का 38 वां) की धारा 30 की उपधारा (3) की व्यवस्थाओं के अनुसार संशोधनों का मसविदा दिनांक 5 अक्टूबर, 2002 को प्रकाशित भारत के राजपत्र के भाग-III खण्ड-4 के पृष्ठ संख्या 4396 से 4407 पर इन्स्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स ऑफ इंडिया की अधिसूचना संख्या-1 सी.ए.(7)/64/2002 दिनांक 24 सितम्बर, 2002 के तहत प्रकाशित किया गया था।

और जैसा कि कथित राजपत्र की प्रतियां सर्वसाधारण हेतु उपलब्ध होने की तिथि से पैंतालिस दिनों की अवधि की समाप्ति से पहले तक आपत्तियाँ एवं सुझाव आमंत्रित किये गये थे।

और जैसा कि कथित राजपत्र की प्रतियाँ आम जनता को 9 अक्टूबर, 2002 से उपलब्ध कराई गई थी।

और जैसा कि कथित संशोधनों के मसविदे पर आम जनता से प्राप्त आपत्तियाँ एवं सुझावों पर इन्स्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स ऑफ इंडिया की परिषद् द्वारा विचार किया गया था तथा केन्द्रीय सरकार द्वारा इसका अनुमोदन किया गया।

अब, कथित अधिनियम की धारा 30 की उपधारा (1) के द्वारा प्रदत्त अधिकारों का उपयोग करते हुये, परिषद्, केन्द्रीय सरकार की अनुमति से, एतद् द्वारा चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स विनियम, 1988 में निम्नलिखित संशोधन करती है, नामतः:-

1. संक्षिप्त नाम एवं प्रारम्भ : (1) इन विनियमों को चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स (संशोधन) विनियम, 2003 कहा जायेगा। (2) ये विनियम, सरकारी राजपत्र में इनके प्रकाशित होने की तिथि से लागू होंगे।
2. चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स विनियम, 1988 में : (1) विनियम 204 में, "अनुसूची 'ग', 'घ', 'ङ' और 'च'" शब्दों और अक्षरों के स्थान पर "अनुसूची 'ग', 'घ', 'ङ', 'च' और 'छ'" शब्द और अक्षर रखे जाएंगे।

"अनुसूची छ"

(बीमा और जोखिम प्रबंध में अर्हता प्राप्त पाठ्यक्रम)

1. बीमा और जोखिम प्रबंध में डिप्लोमा के लिए पाठ्यक्रम (डीआईआरएम) : (1) बीमा और जोखिम प्रबंध पाठ्यक्रम में प्रशिक्षण स्कीम, तकनीकी परीक्षा और सात दिनों या उस अवधि का अभिसंस्करण पाठ्यक्रम जो समय-समय पर इस उद्देश्य के लिये परिषद् द्वारा गठित बीमा समिति (जिसे इसके पश्चात् समिति कहा गया है) विनिश्चित करे, सम्मिलित होंगे। (2) उक्त पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक पूर्ण करने वाले अभ्यर्थी को अनुमोदित फार्म में एक प्रमाण पत्र प्रदान किया जायेगा और वह अपने नाम के पश्चात् डीआईआरएम (आईसीएआई) अक्षर उपयोग करने का हकदार होगा।
2. प्रशासन : विनियम 176 के अधीन बीमा और जोखिम प्रबंध पाठ्यक्रम का प्रबंध, समिति के भारसाधन के अधीन होगा जिसके कृत्यों में पाठ्यक्रम के लिए नामांकन, इसके संचालन से संबंधित सभी क्रियाकलाप, प्रशिक्षण स्कीम, अभिसंस्करण पाठ्यक्रम मोड्यूल (मापांक) के परिवर्तन/उपांतरण/पुनरीक्षण/संशोधन और उसका पाठ्य विवरण एवं अन्य संबंध मामले सम्मिलित होंगे।
3. बीमा और जोखिम प्रबंध में प्रवेश : (1) किसी भी अभ्यर्थी को पाठ्यक्रम में प्रवेश नहीं मिलेगा जब तक कि वह रजिस्ट्रीकरण के समय संस्थान का सदस्य न हो।
(2) बीमा और जोखिम प्रबंध पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए अभ्यर्थी अनुमोदित फार्म में आवेदन करेगा और उतनी फीस का संदाय करेगा जो समय-समय पर परिषद् द्वारा नियत की जाए।
4. तकनीकी परीक्षा में प्रवेश : (1) किसी भी अभ्यर्थी को तकनीकी परीक्षा में प्रवेश नहीं मिलेगा जब तक कि वह नौ मास की अवधि के लिए या इतने समय के लिए जिसका समिति द्वारा समय-समय पर विनिश्चित किया जाए, रजिस्ट्रीकृत न हो और इस प्रयोजन के लिए समिति द्वारा अभिहित अधिकारी से इस प्रभाव का एक प्रमाण पत्र प्रस्तुत करे कि उसने इस निमित्त समिति द्वारा विनिर्दिष्ट प्रशिक्षण स्कीमों की अपेक्षाओं का अनुपालन कर लिया है।
(2) तकनीकी परीक्षा में प्रवेश के लिए आवेदन अनुमोदित फार्म में इसमें विनिर्दिष्ट रीति में परिषद् द्वारा विनिश्चित फीस के साथ सचिव को भेजा जाएगा।
5. तकनीकी परीक्षा के लिए पेपर और पाठ्यविवरण : (1) डीआईआरएम पाठ्यक्रम के लिए अभ्यर्थी की परीक्षा 3-3 घंटे वाले 4 पेपरों में होगी जिनमें निम्नलिखित पाठ्यक्रम विषय वस्तु के साथ 4 मोड्यूल होंगे:-

100 अंक

1. मोड्यूल - 1 बीमा के सिद्धान्त और पद्धति

- (क) जोखिम और बीमा का परिचय, साधारण और जीवन बीमा के मूल सिद्धान्त, बीमा संविदाएँ, बीमा संगठनों का प्रबंध।
- (ख) बीमा के प्रकार :
 - (i) साधारण - वैयक्तिक लाइन और वाणिज्यिक लाइन
 - (ii) जीवन - व्यक्ति, समूह, वार्षिकी, पेंशन और उपदान
- (ग) विनिधान, अंशधारक निधि की बाबत बीमा निधि और पालिसी धारक निधि पर विनियम
- (घ) बीमा लेखांकन और प्रबंध को शासित करने वाली विधियाँ

(ङ) आस्ति और दायित्व प्रबंध, शोधन क्षमता मार्जिन का अवधारण, बीमा वित्त के सिद्धांत (संविभाग-वार, प्रतिधारण स्तर नियत करना, आईबीएनआर, आईबीएनईआर, रिजर्व स्ट्रेन पर पर्याप्तता), बीमा उत्पादों की लागत और कीमतीकरण।

(च) उभरते परिदृश्य में विश्लेषणात्मक मामला अध्ययन

2. मोड्यूल - 2 बीमा के तकनीकी पहलू

100 अंक

(क) साधारण बीमा उत्पादों के विशिष्ट क्षेत्र, हामीदार संकल्पना निम्न की बाबत मानक शर्तें और वारंटी

(i) अग्नि खतरे, खंड, विशेष किस्में, छूट, पारिणामिक हानि

(ii) समुद्री-पेटा की किस्में, पेटा नीति के खंड, कारगो नीति की किस्में, विक्रय संविदा की किस्में और प्रतिफल

(iii) मोटर - सुरक्षा राशि की व्याप्ति वाहनों की किस्में, स्वयं का नुकसान और अन्य पक्षकार दावे

(iv) इंजीनियरिंग - निबंधन और शर्तों के साथ सुरक्षा राशि की किस्में

(v) प्रकीर्ण - व्यक्ति और सामूहिक, वैयक्तिक और वाणिज्यिक लाइन्स, कारोबार सुरक्षा पालिसियां और वैयक्तिक दायित्व बीमा-निदेशक और वृत्तिक

(ख) जीवन बीमा उत्पाद, प्रीमियम प्लान, सामाजिक सुरक्षा स्कीमें, पेंशन पालिसियां, सामूहिक बीमा पालिसियां और अधिवाधिता पालिसियों की वित्तीय जीरोटोलॉजी

(ग) बीमांकिक मूल्यांकन के सिद्धांत - जन सांख्यिकी, कंपनी के जोखिम प्रोफाइल की माप, ब्याज और जीवन आकस्मिकताएं, जीवन कार्य मूल्यांकन और अधिशेष वितरण के तरीके

(घ) उभरते परिदृश्य में विश्लेषणात्मक मामला अध्ययन

3. मोड्यूल-3 जोखिम प्रबंध और पुनर्बीमा

100 अंक

(क) बीमा का अर्थशास्त्र

(ख) विकास चक्र और जोखिम प्रबंध पहलू - पहचान, मूल्यांकन, प्रतिधारण और अंतरण, जोखिम वित्तपोषण

(ग) हानि निवारण की भूमिका/न्यूनीकरण तकनीक, वैकल्पिक जोखिम अंतरण उपाय

(घ) पुनर्बीमा - विधिक सिद्धांत, पुनर्बीमा के तरीके (पारंपरिक और अपारंपरिक) प्रसंविदा शैली, डिजाइनिंग पुनर्बीमा कार्यक्रम पुनर्बीमा बाजार और वित्तीय पहलू

(ङ) उभरते परिदृश्य में विश्लेषणात्मक मामला अध्ययन

4. मोड्यूल-4 कारोबारी मुक्तिबद्ध योजना और सूचना प्रौद्योगिकी

100 अंक

(क) बीमा कंपनियों का प्रबंध, सार्वभौमिकता की चुनौतियां और कारोबार प्रक्रिया की पुनःसंरचना

(ख) आऊटसोर्सिंग का वर्गीकरण

(ग) विनियम नियंत्रण विनियम और कराधान

(घ) बीमा कारोबार में सूचना प्रौद्योगिकी का उपयोजन, पद्धति नियंत्रण, डाटा वेयरहाउसिंग, बीमा कंपनियों के लिए ईआरपी का उपयोजन, ग्राहक संबंध, प्रबंध और प्रदाय श्रृंखला प्रबंध

(ड) सूचना पद्धति के डिजाइन

(च) उत्पाद विनिर्मिति में कारोबारी युक्तियाँ, सूचना विपणन और सलाहकारिता, वितरण, पुनर्बीमा और सर्विसिंग

(छ) उभरते परिदृश्य में विश्लेषणात्मक मामला अध्ययन

(2) प्रत्येक मोड्यूल के सामने दिखाए गए अंक उस पेपर के अंकों को विनिर्दिष्ट करते हैं जो अपने अपने मोड्यूल के लिए पूछे जाएंगे।

6. तकनीकी परीक्षा उत्तीर्ण करने के लिए अपेक्षाएं : तकनीकी परीक्षा में कोई भी अभ्यर्थी सामान्यतः उत्तीर्ण घोषित किया जाएगा यदि वह प्रत्येक पेपर में कम से कम 40 प्रतिशत अंक और कुल योग में 50 प्रतिशत अंक प्राप्त कर लेता है।

7. तकनीकी परीक्षा का संचालन : तकनीकी परीक्षा ऐसे अंतरालों पर, ऐसी रीति में और ऐसे समय तथा स्थानों पर संचालित की जा सकेगी जो दि ईस्टिट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउन्टेण्ट्स ऑफ इंडिया की परीक्षा समिति समय-समय पर विनिश्चित करे और उसके ब्यौरे भारत के राजपत्र में प्रकाशित किए जायेंगे।

8. तकनीकी परीक्षा फीस का प्रतिदाय : (1) तकनीकी परीक्षा में प्रविष्ट किसी अभ्यर्थी द्वारा संदत्त फीस उप पैरा-(2) में अन्यथा उपबोधित के सिवाय वापस नहीं की जाएगी।

(2) यदि कोई अभ्यर्थी फीस का अन्तरण अगली तकनीकी परीक्षा के लिए करने का आवेदन इस आधार पर परीक्षा समिति को करता है कि वह उसके नियंत्रण के परे की परिस्थितियों के परिणामस्वरूप तकनीकी परीक्षा में बैठने से निवारित रहा था तो परीक्षा समिति ऐसे अभ्यर्थी द्वारा संदत्त फीस को केवल अगली आने वाली तकनीकी परीक्षा के लिए संदेय फीस के तौर पर समायोजित करने के लिए अनुज्ञात कर सकेगी।

परन्तु तकनीकी परीक्षा की तारीख से पंद्रह दिन के अवसान के पश्चात् प्राप्त ऐसे किसी आवेदन पर विचार नहीं किया जायेगा।

9. परिणामों की घोषणा : (1) तकनीकी परीक्षा का परिणाम घोषित किया जायेगा और ऐसे परिणाम की एक प्रति, जिसमें सफल अभ्यर्थियों की सूची होगी, संस्थान के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित की जाएगी।

(2) तकनीकी परीक्षा उत्तीर्ण करने और समिति द्वारा विहित अभिसंस्करण पाठ्यक्रम करने वाले अभ्यर्थी को अनुमोदित फार्म में प्रमाण पत्र प्रदान किया जायेगा।

(3) सभी अभ्यर्थियों को उनके द्वारा तकनीकी परीक्षा में प्राप्त अंकों की सूचना दी जाएगी।

(4) (क) क्या तकनीकी परीक्षा के पेपर या पेपरो में अभ्यर्थी द्वारा दिए गए उत्तरों की जांच कर ली गई है और उस पर दिए गए अंकों से संबंधित जानकारी अभ्यर्थी द्वारा तकनीकी परीक्षा का परिणाम घोषित किए जाने की तारीख से एक मास के भीतर परिषद् द्वारा नियत फीस के साथ दिए गए आवेदन पत्र प्रस्तुत करने पर उसे उपलब्ध कराई जाएगी।

(ख) फीस केवल यह सत्यापित करने के लिए होगी कि क्या अभ्यर्थी के उत्तरों की जांच कर ली गई है और अंक दिए गए हैं न कि उत्तरों का पुनः मूल्यांकन करने के लिए।

(ग) अभ्यर्थी द्वारा अलग-अलग प्रश्नों में या मोड्यूल के खण्ड में प्राप्त अंकों की जानकारी उसे नहीं दी जाएगी।

(घ) यदि सत्यापन के पश्चात् यह पाया जाता है कि किसी उत्तर या उत्तरों की जांच में अंक प्रदान करने में कोई लोप हुआ है या अंकों का योग करने में कोई त्रुटि हुई है तो सत्यापन के लिए दी गई पूरी फीस अभ्यर्थी को वापस कर दी जाएगी और उस सत्यापन के परिणाम से अभ्यर्थी को संसूचित या प्रदान किया जाएगा।

10. अनुचित साधन अपनाने वाले अभ्यर्थियों के विरुद्ध कार्रवाई : यदि परीक्षा समिति को यह रिपोर्ट किया जाता है कि किसी अभ्यर्थी ने तकनीकी परीक्षा उत्तीर्ण करने के लिए अनुचित साधन अपनाए हैं या अपनाने का प्रयास किया है तो परीक्षा समिति इसकी जांच करेगी और इसकी रिपोर्ट परिषद् को प्रस्तुत करेगी जो ऐसे और अन्वेषण के पश्चात् जो वह आवश्यक समझे, अभ्यर्थी के विरुद्ध ऐसी अनुशासनिक कार्यवाई करेगी, जो वह ठीक समझे;

वशर्ते कि अभ्यर्थी के विरुद्ध कोई भी प्रतिकूल आदेश पारित किए जाने के पूर्व उसे सुने जाने का अवसर दिया जायेगा।

11. परीक्षक : परीक्षा समिति प्रश्न पत्र बनाने और उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करने के लिए परीक्षकों की नियुक्ति सहित ऐसी व्यवस्था कर सकेगी जो वह समुचित समझें।

12. परिणामों का संशोधन : ऐसे मामले में जहां यह पाया जाए कि तकनीकी परीक्षा का परिणाम किसी गलती, अनाचार, कपट, अनुपयुक्त आचरण या किसी भी प्रकृति के अन्य मामले के कारण प्रभावित हुआ है तो परिषद् को परिणाम ऐसी रीति में संशोधित करने का जो सही स्थिति के अनुरूप हो और ऐसा करने का अधिकार होगा जो परिषद् इस निमित्त करना आवश्यक समझें।

13. सलाहकार बोर्ड : (1) समिति एक सलाहकार बोर्ड नियुक्ति कर सकेगी जिसमें 11 से अधिक सदस्य नहीं होंगे और जो समिति को पाठ्यविवरण, तकनीकी परीक्षा, परीक्षण स्कीम, अभिसंस्करण पाठ्यक्रम अनुसंधान या पाठ्यक्रम से संबंधित ऐसे मामलों पर सलाह दे सकेगा जो उसे विनिर्दिष्ट किए जाएं।

(2) सलाहकार बोर्ड के सदस्य, समय-समय पर परिषद् द्वारा अनुमोदित दरों के अनुसार यात्रा भत्ता और दैनिक भत्ते के पात्र होंगे।

डॉ. अशोक हल्दिदा, सचिव

[विज्ञापन-III/IV/असाधारण/104/02]

THE INSTITUTE OF CHARTERED ACCOUNTANTS OF INDIA

NOTIFICATION

New Delhi, the 31st March, 2003

(Chartered Accountants)

No. 1-CA(7)/64/2002.— Whereas certain draft amendments further to amend the Chartered Accountants Regulations, 1988, were published by the Council of the Institute of Chartered Accountants of India, as required by sub-section (3) of section 30 of the Chartered Accountants Act, 1949 (38 of 1949), at pages 4396 to 4407 of the Gazette of India, Part III section 4, dated the 5th October, 2002 under the notification of the Institute of Chartered Accountants of India No. 1-CA(7)/64/2002 dated 24th September, 2002;

And whereas objections and suggestions were invited before the expiry of a period of forty five days from the date on which the copies of the said Gazette were made available to the public;

And whereas the said Gazette was made available to the public on 9th October, 2002;

And whereas the objections and suggestions received from the public on the said draft amendments have been considered by the Council of the Institute of Chartered Accountants of India and approved by the Central Government;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 30 of the said Act, the Council, with the approval of the Central Government, hereby, makes the following amendments in the Chartered Accountants Regulations, 1988, namely:-

1. **Short title and commencement.** - (1) These regulations may be called the Chartered Accountants (Amendment) Regulations, 2003.

(2) They shall come into force on the date of publication in the Gazette of India.

2. In the Chartered Accountants Regulations, 1988, -

- (i) in regulation 204, for the words and letters "Schedules 'C', 'D', 'E' and 'F' ", the words and letters "Schedules 'C', 'D', 'E', 'F' and 'G' " shall be substituted;

"SCHEDULE G**(POST QUALIFICATION COURSE IN INSURANCE AND RISK MANAGEMENT)**

1. **Course for Diploma in Insurance and Risk Management (DIRM).** - (1) The Insurance and Risk Management Course shall include training schemes, technical examination and an orientation course of seven days or such time as the Committee on Insurance constituted by the Council for the purpose (hereinafter referred to as the "Committee") may decide from time to time.

(2) A candidate who has successfully completed the said course shall be awarded a certificate in the approved form and be entitled to use the letters 'DIRM (ICAI)' after his name.

2. **Administration.** - Subject to regulation 176, the management of the Insurance and Risk Management Course shall be under the charge of the Committee whose functions shall

include enrolment to, all activities connected with the conduct of the course, training schemes, orientation course, change/modification/revision/amendment of modules and syllabus thereof, and other allied matters.

3. Admission to the Course in Insurance and Risk Management. – (1) No candidate shall be admitted to the Course unless he is a member of the Institute of Chartered Accountants of India at the time of registration.

(2) A candidate for admission to the Insurance and Risk Management Course shall apply in the approved form and pay such fees, as may be fixed by the Council, from time to time.

4. Admission to the Technical Examination. - (1) No candidate shall be admitted to the Technical Examination unless he has been registered for a period of nine months or such time as the Committee may decide from time to time and produces a certificate, from the officer designated by the Committee for the purpose, to the effect that he has complied with the requirements of the training schemes as may be specified by the Committee in this behalf.

(2) An application for admission to the Technical Examination shall be made in the approved form to the Secretary, in the manner specified therein, together with such fees as may be decided by the Council.

5. Papers and Syllabus for Technical Examination. - (1) A candidate for the DIRM Course shall be examined in 4 papers of 3 hours each covering 4 modules with course content as given below :

I. Module I: Principles and Practice of Insurance 100 Marks

- (a) Introduction to Risk and Insurance, Basic principles of General and Life insurance, Insurance contracts, Management of Insurance organisations ;
- (b) Types of Insurance :
 - (i) General – personal lines and commercial lines ;
 - (ii) Life – Individual, group, annuity, pensions and gratuity ;
- (c) Regulations on investments, insurance funds with respect to shareholders funds and policy holders funds ;
- (d) Laws Governing Insurance Accounting and Management ;
- (e) Assets and liability management, determination of solvency margin, principles of insurance finance (fixing portfolio wise retention levels, adequacy on IBNR, IBNER, Reserve strain), Costing and pricing of insurance products ;
- (f) Analytical case studies in emerging scenario.

II. Module II: Technical Aspects of Insurance 100 Marks

- (a) Specific areas on general insurance products, underwriting concepts, standard conditions and warranties with respect to –
 - (i) Fire – Perils, clauses, special types, discounts, consequential loss ;
 - (ii) Marine – Types of Hull, clauses to hull policy, types of cargo policy, types of sale contracts and consideration ;

- (iii) Motor – Scope of cover, types of vehicles, own damage and third party claims ;
- (iv) Engineering – Types of cover with terms and conditions ;
- (v) Miscellaneous - individual and group, personal and commercial lines, Business Protection Policies and Personal Liability Insurance - Directors and Professionals ;
- (b) Life insurance products, premium plans, social security schemes, pension policies , group insurance schemes and financial gerontology of superannuating policies ;
- (c) Principles of Actuarial valuation – demography, gauging the risk profile of the company, interest and life contingencies, life office valuations and methods of distribution of surplus ;
- (d) Analytical case studies in emerging scenario.

III. Module III: Risk Management and Reinsurance 100 Marks

- (a) Economics of insurance ;
- (b) Evolution cycle and managerial aspects of risk management – Identification, evaluation, retention and transfer, risk financing ;
- (c) Role of loss prevention/minimisation techniques, Alternative risk transfer measures ;
- (d) Reinsurance – legal principles, methods of reinsurance (traditional and non traditional), treaty wordings designing reinsurance programs, reinsurance markets and financial aspects ;
- (e) Analytical case studies in emerging scenario.

IV. Module IV : Business Strategic Planning and Information Technology 100 Marks

- (a) Management of insurance companies, challenges of globalisation and business process reengineering ;
- (b) Methodology of outsourcing ;
- (c) Exchange control regulations and taxation ;
- (d) Application of IT in insurance business, system controls, data warehousing, application of ERP for insurance companies, Customer relation management and supply chain management ;
- (e) Design of Information Systems ;
- (f) Business Strategies in product formulation, information marketing & advisory, distribution, reinsurance and servicing ;
- (g) Analytical Case studies in the emerging scenario.

(2) The marks given against each module specify the marks of the papers that would be asked for the respective modules.

6. Requirements for Passing Technical Examination. — A candidate for Technical Examination shall ordinarily be declared to have passed the examination if he secures a minimum of 40 percent. marks in each of the papers and 50 percent. marks in aggregate.

7. Conduct of Technical Examination. - The Technical Examination may be conducted at such intervals, in such manner and at such time and places, as the Examination Committee of the Institute may decide from time to time and the details thereof shall be published in the Gazette of India.

8. Refund of Technical Examination fees. — (1) The fee paid by a candidate who has been admitted to a Technical Examination shall not except as otherwise provided in sub-paragraph (2) be refunded.

(2) Where a candidate applies to the Examination Committee for the transfer of fee to the next Technical Examination on the ground that he was prevented from attending the Technical Examination on account of circumstances beyond his control, the Examination Committee may permit the fee paid by such candidate to be adjusted towards the fee payable only for the next following Technical Examination :

Provided that no such application received after the expiry of fifteen days from the date of the Technical Examination shall be considered.

9. Declaration of Results. — (1) The result of the Technical Examination shall be declared and a copy of such result giving the list of successful candidates shall be displayed on the Notice Board of the Institute.

(2) A candidate passing the Technical Examination and undergoing such orientation course as may be prescribed by the Committee shall be granted a certificate in the approved form.

(3) All the candidates shall be communicated of the marks obtained in the Technical Examination.

(4) (a) Information as to whether a candidate's answers in the paper or papers of the Technical Examination have been examined and marks awarded shall be supplied to the candidate, on his submitting within a month of the declaration of the result of the Technical Examination an application accompanied by such fee as may be fixed by the Council.

(b) The fee shall be only for verifying whether the candidate's answers have been examined and marks awarded, and not for the re-valuation of the answers.

(c) The marks obtained by a candidate in individual question, or in section of a module shall not be supplied.

(d) If as a result of such verification, it is discovered that there has been either an omission to examine or award any marks to any answer or answers or there has been a mistake in the totaling of the marks, the fee for verification shall be refunded in full to the candidate and the result of such verification shall be communicated or supplied to such candidate.

10. Action against Candidates resorting to unfair means. — If it is reported to the Examination Committee that a candidate has resorted to or has attempted to resort to unfair

means for the purpose of passing the Technical Examination, the Examination Committee shall hold an enquiry and submit a report to the Council which may, after any further investigation as it may consider necessary, take such disciplinary action against the candidate as it thinks fit:

Provided that an opportunity shall be given to the candidate of being heard, before an order adverse, to him is passed.

11. Examiners. — The Examination Committee may make such arrangements as may be considered appropriate including appointment of examiners to set the question papers and value answer books.

12. Amendments of Results. - In any case where it is found that the result of a Technical Examination has been affected by error, malpractice, fraud, improper conduct or other matter of whatever nature, the Council shall have the power to amend such result in such manner as shall be in accordance with the true position and make such declaration as the Council shall consider necessary in that behalf.

13. Advisory Board. — (1) The Committee may appoint an advisory board consisting of not more than 11 persons to advise the Committee on the syllabus, technical examinations, training schemes, orientation course, research and any other matter relating to the Course as may be referred to it.

(2) The members of the advisory board shall be eligible for travelling allowance and daily allowances according to the rates that may be approved by the Council from time to time.

Dr. ASHOK HALDIA, Secy.
[ADVT-III/IV/Exty./104/02]